भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1465
9 दिसंबर, 2025 को उत्तर के लिए

सीपीएसई द्वारा अपनाई गई एआई-आधारित डिजिटल प्रौद्योगिकियां

1465. **श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटीः**
श्री पी. सी. मोहनः
श्री दुलू महतोः
श्री आलोक शर्माः

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस्पात से संबंधित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) द्वारा परिचालन दक्षता, सुरक्षा और संसाधन उपयोग में सुधार लाने के लिए वर्तमान में अपनाई जा रही विभिन्न प्रकार की कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित डिजिटल प्रौद्योगिकियों का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने उत्पादकता लाभ, प्रक्रियाओं के अनुकूलन, परिचालन लागत में कमी और पर्यावरणीय प्रदर्शन में सुधार के संदर्भ में इन डिजिटल हस्तक्षेपों के परिणामों का मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार का विचार इस्पात से संबंधित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में पूर्वानुमान विश्लेषण, स्वचालन प्लेटफॉर्म और वास्तविक समय निगरानी प्रणालियों सहित उन्नत डिजिटल उपकरणों के उपयोग का विस्तार करने का है; और
(घ) यदि हाँ, तो प्रस्तावित समय-सीमा और कार्यान्वयन रणनीति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)

(क) मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कुछ केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित डिजिटल प्रौद्योगिकियों को अपनाया है। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड (एनएमडीसी) और मॉयल लिमिटेड (मॉयल) प्रक्रिया अनुकूलन मॉडल, लागत अनुकूलन मॉडल, पूर्वानुमानित विश्लेषण और विसंगति संसूचन प्रणालियों पर काम कर रहे हैं, जबकि मेकॉन लिमिटेड (मेकॉन) और एमएसटीसी लिमिटेड (एमएसटीसी) ने समाधान प्रदान करने वाले एआई आधारित मॉडल अपनाए हैं।

(ख) प्रारंभिक परिणाम प्रक्रिया स्थिरता, प्रचालन दक्षता, लागत अनुकूलन और सुरक्षा में सुधार दर्शाते हैं।

(ग) और (घ): जी, हां। इन सीपीएसई ने एआई आधारित डिजिटल प्रौद्योगिकियों के माध्यम से समस्या की पहचान और उनके समाधान के लिए अधिकारियों की टीम गठित की है, जो कि एक सतत प्रक्रिया है।

*****